

Absolute Truth

Know God Know Truth

Monthly Newsletter of ISKCON Delhi-NCR



News

✿ Flocking to Hidden Vrindavan (ISKCON, Punjabi Bagh)

Jaipur or 'The Pink City' is also popularly known as 'Gupt Vrindavan' or 'Hidden Vrindavan' within the Vaishnava community. This is because several prominent deities of Vrindavan such as Sri Sri Radha Govinda Dev, Sri Sri Radha Madan Mohan, and Sri Sri Radha Gopinath were moved to Jaipur by the saints of Vrindavan when Vrindavan was attacked by the Mughals. A group of 50 devotees (split into 2 groups) from ISKCON Rewari - a remote center of ISKCON Punjabi Bagh recently visited the beautiful temples with these potent deities in Jaipur. The visit entailed mesmerizing darshans of the deities, sankirtans, spiritually enlivening discourses, and some unmissable prasad.



✿ Act of Charity (Bal Gopal Sanga, Vaikuntha Fun School, ISKCON East of Kailash)

Appropriate act of charity is non-different from service unto the Lotus Feet of the Lord. Though the contribution is of little significance; what matters is the intention with which it is done. Sri Sri Radha Parthasarathi has



समाचार

✿ गुप्त वृन्दावन में भक्तों की भीड़ (इस्कॉन, पंजाबी बाग)

जयपुर या 'गुलाबी नगरी' को वैष्णव समुदाय के भीतर 'गुप्त वृन्दावन' अथवा 'गूढ़ वृन्दावन' के नाम से भी जाना जाता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि जब वृन्दावन पर मुगलों द्वारा आक्रमण किया गया था तो वृन्दावन के कई प्रमुख विग्रह यथा श्री श्री राधा गोविंद देव जी, श्री श्री राधा मदनमोहन जी एवं श्री श्री राधा गोपीनाथ जी को वृन्दावन के संतों द्वारा जयपुर ले जाया गया था। इस्कॉन पंजाबी बाग के एक दूरस्थ केंद्र - इस्कॉन रेवाड़ी के 2 समूहों में विभाजित 50 भक्तों के एक दल ने हाल ही में जयपुर में इन प्रबल विग्रहों के मंदिरों में सुंदर दर्शन किये। इस यात्रा में विग्रहों के मनमोहक दर्शन, संकीर्तन, आध्यात्मिक ज्ञानवर्धक प्रवचन एवं अविस्मरणीय भोज प्रसादम शामिल थे।

✿ दान का कार्य (बाल गोपाल संघ, वैकुण्ठ फन स्कूल, इस्कॉन ईस्ट ऑफ कैलाश)

उचित रूप से दिये गए दान का कार्य भगवान के श्री चरणों की सेवा से अभिन्न है। यद्यपि योगदान का उतना महत्व नहीं है; परंतु महत्व यह रखता है कि यह दान किस भाव से किया गया है। श्री श्री राधा पार्थसारथी जी ने हमें इस महान सेवा का हिस्सा बनने का सुअवसर प्रदान किया है। उन्हीं की कृपा से, हम सभी इतने सौभाग्यशाली हैं कि हमें अपने अस्तित्व एवं आधारभूत सुविधाओं जैसे भोजन, आश्रय, शिक्षा, स्वास्थ्य आदि हेतु संघर्ष नहीं करना पड़ता। दूसरी ओर, हम अपने आस-पास ऐसे कई लोगों को देखते हैं जो पर्याप्त भोजन भी नहीं जुटा पाते हैं। वैकुण्ठ फन



given us an opportunity to become a part of this noble service. By Their grace, we all are fortunate enough that we don't have to struggle for our basic existence like food, shelter, education, healthcare, etc. On the other hand, we come across many people around us who cannot afford even sufficient food. Bal Gopal Sanga an initiative of Vaikuntha Fun School through tiny steps is striving hard to create such a society wherein everyone will at least be provided these basic facilities and thus plan for a higher aim in life. Donations collected for the month of May were utilized to feed the cancer patients at Cankids Org, New Delhi. This month's donation will be utilized to provide articles to underprivileged children in Sri Dham Vrindavan. Your support is highly needed to keep this mission going. We request you to please help us by sending your donations by Paytm at 7982840067.

✿ Unmatched Seminar on Vedic Cosmology (ISKCON, Punjabi Bagh)

The ISKCON Youth Forum organized a one-of-its-kind unique seminar on Vedic cosmology. The seminar was organized specifically for students pursuing the field of science academically or professionally. The seminar was conducted by a veteran in the field of Vedic Cosmology – H.G. Pavaneshvara Prabhu. Vedic Cosmology refers to the model of outer space and beyond as explained in the Srimad Bhagavatam. The speaker is a renowned expert on the topic and often speaks at seminars in the USA. After years of research in the field of Vedic Cosmology, H.G. Pavaneshvara Prabhu developed a 3D working model of the Vedic Cosmos. The model uses gears to show planetary motion at different velocities and explain scientific phenomena like day and night, seasons, eclipses, and the relative motion of the planets. The attendees were delighted to have the association with such an eminent personality.



✿ Parenting the Bhagavatam Way (ISKCON, Punjabi Bagh)

Parenting is an art that can be learned through first-hand experience, but even better through the wisdom of the learned. One such learned parent who raised two ideal children is H.G. Aruddha Mataji. A student and practitioner of the Srimad Bhagavatam, Aruddha Mataji is renowned over the world for practicing and teaching

स्कूल की एक पहल बाल गोपाल संघ, अपने गिलहरी प्रयासों के माध्यम से एक ऐसे समाज का निर्माण करने हेतु कड़ी मेहनत कर रहा है जिसमें हर किसी को, कम से कम ये आधारभूत सुविधाएं प्रदान की जाएंगी और इस प्रकार जीवन में एक उच्च लक्ष्य तक पहुँचने हेतु योजनाबद्ध हुआ जाएगा। मई महीने के लिए एकत्र किए गए दान का उपयोग कैंकिड्स ऑर्ग, नई दिल्ली में कैंसर रोगियों के भोजन हेतु किया गया था। इस महीने के दान का उपयोग श्रीधाम वृन्दावन में वंचित बच्चों को उपयोगी सामान उपलब्ध कराने में किया जाएगा। इस आंदोलन को सुचारु रखने हेतु आपका समर्थन अत्यधिक आवश्यक है। हम आपसे अनुरोध करते हैं कि कृपया 7982840067 पर पेटीएम द्वारा अपना योगदान भेजकर हमारी सहायता करें।

✿ वैदिक ब्रह्माण्ड विज्ञान पर अद्वितीय संगोष्ठी (इस्कॉन, पंजाबी बाग)

इस्कॉन युवा मंच ने वैदिक ब्रह्माण्ड विज्ञान पर अपनी तरह का अनोखा सेमिनार आयोजित किया। सेमिनार विशेष रूप से विद्या विषयक अथवा व्यावसायिक रूप से विज्ञान के क्षेत्र में आगे बढ़ने वाले छात्रों हेतु आयोजित किया गया था। सेमिनार का संचालन वैदिक ब्रह्माण्ड विज्ञान के क्षेत्र में अनुभवी श्रीमान पवनेश्वर प्रभु द्वारा किया गया था। वैदिक ब्रह्माण्ड विज्ञान बाहरी अंतरिक्ष और उससे परे के तंत्र को संदर्भित करता है जैसी कि श्रीमद्भागवतम में व्याख्या की गई है। वक्ता इस विषय के एक प्रसिद्ध विशेषज्ञ हैं एवं अक्सर संयुक्त राज्य अमेरिका की संगोष्ठियों में व्याख्यान देते रहे हैं। वैदिक ब्रह्माण्ड विज्ञान के क्षेत्र में वर्षों के शोध के उपरान्त, श्रीमान पवनेश्वर प्रभु ने वैदिक ब्रह्माण्ड का एक 3डी कार्यशील प्रतिमान विकसित किया है। प्रतिमान विभिन्न वेगों पर ग्रहों की गति दर्शाने एवं दिन-रात, ऋतु, ग्रहण तथा ग्रहों की सापेक्ष गति जैसी वैज्ञानिक घटनाओं को समझाने हेतु दंतचक्र उपकरण का प्रयोग करता है। उपस्थित लोगों को ऐसे प्रतिष्ठित व्यक्तित्व के साथ जुड़कर अत्यधिक प्रसन्नता हुई।


✿ भागवत विधि से लालन-पालन करना (इस्कॉन, पंजाबी बाग)

यूँ तो लालन-पालन एक कला है जिसे प्रत्यक्ष अनुभव के माध्यम से सीखा जा सकता है, किन्तु विद्वत जनों के ज्ञान के माध्यम से अपेक्षाकृत

Join us for a seminar on

Cultural & Character Development of Kids

09th June | 6-8 pm
at CBSM first floor hall



Her Grace Aruddha Mata Ji

For Registration contact:
Rati Prestha Devi Dasi @ 8800864495
Kanchan Mata Ji @ 9870340335

the Art of Krishna Conscious parenting. She raised her two sons by teaching them Srimad Bhagavatam. Her successful parenting is evident from the fact that both her sons completed school at the age of 12, and their Ph.D. from Oxford University at the age of 21. by several devotees, the seminar was divided into 3 nourishing sections - Holy home, Acute academics, and Spiritual skills. Parents left feeling encouraged, nourished, and prepared for practical parenting - The Bhagavatam way.

✿ Outreach to Schools in Dwarka (ISKCON, Dwarka)

The future of human society lies in the hands of teachers. In this age of cut-throat competition, it's important to guide modern-day teachers with the timeless wisdom of Vedic scriptures. ISKCON Dwarka reached St. Cecilia's Public School and Dew Planet public school in Dwarka. The teachers were given valuable guidance on how to channel their thoughts and rationalize their behavior in provocative situations while educating the young students. The session was led by H.G. Bali Murari Prabhu. The schools were very supportive and were grateful for the session.



✿ Girls' Day Out (ISKCON, Punjabi Bagh)

The ISKCON Girls Forum recently organized a day excursion to the beautiful temple of ISKCON Noida. The day trip was pleasantly filled with many engaging and invigorating activities. The girls got to do some direct service for the beautiful deities at the temple before their seminar on Spiritual Unity. The seminar covered four elements - cooperation, coordination, love, and care. Needless to mention, the sumptuous meal at Govinda's was the highlight of the day trip!

✿ Panihati cida-dahi Festival (2nd June) (ISKCON, East of Kailash)

The pastimes of the Lord instruct in important principles of devotional life. Through the behavior and conduct of various devotees, we receive insight into how to live the philosophy. The cida dahi festival at Panihati, is one of the best examples of this. Srila

और अधिक अच्छे से सीखा जा सकता है। ऐसी ही एक विदूषी माता हैं जिन्होंने दो आदर्श बच्चों का लालन-पालन किया, वे हैं श्रीमती अरुद्धा माताजी। श्रीमद्भागवत की छात्रा और अभ्यासिका, अरुद्धा माताजी कृष्ण भावनाभावित पालन-पोषण की कला का अभ्यास करने और इसे सिखाने हेतु संसार भर में प्रसिद्ध हैं। उन्होंने अपने दोनों बेटों को श्रीमद्भागवत का अद्भ्युत कराकर उनका पालन-पोषण किया। उनका सफल पालन-पोषण इस तथ्य से स्पष्ट होता है कि उनके दोनों बेटों ने 12 वर्ष की अल्प आयु में ही विद्यालय की पढ़ाई समाप्त कर 21 वर्ष की आयु में ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय से अपनी पीएच.डी. कर ली थी। कई भक्तों द्वारा, सेमिनार को 3 पुष्टिकारक वर्गों में विभाजित किया गया था - पवित्र गृह, सटीक शिक्षा, और आध्यात्मिक कौशल। माता-पिता ने भागवत विधि से व्यावहारिक पालन-पोषण हेतु प्रोत्साहित, पोषित और उद्यत अनुभव किया।

✿ द्वारका में विद्यालयों तक पहुँच (इस्कॉन, द्वारका)

मानव समाज का भविष्य शिक्षकों के हाथों में है। गलाकाट प्रतिस्पर्धा के इस युग में, आधुनिक शिक्षकों को वैदिक शास्त्रों के कालातीत ज्ञान के माध्यम से मार्गदर्शन करना महत्वपूर्ण है। इस्कॉन द्वारका, सेंट सेसिलिया पब्लिक स्कूल और ड्यू प्लेनेट पब्लिक स्कूल द्वारका में पहुँचा। युवा छात्रों को शिक्षित करते समय शिक्षकों को उत्तेजक परिस्थितियों में अपने व्यवहार को तर्कसंगत बनाने तथा अपने विचारों को दिशा प्रदान करने के विषय में बहुमूल्य मार्गदर्शन दिया गया। सत्र का नेतृत्व श्रीमान बली मुरारी प्रभु ने किया। विद्यालय बहुत सहयोगी थे और सत्र हेतु आभारी भी थे।

✿ बालिकाओं का भ्रमण (इस्कॉन, पंजाबी बाग)

इस्कॉन बालिका मंच ने हाल ही में इस्कॉन नोएडा के सुंदर मंदिर में एक दिवसीय भ्रमण का आयोजन किया। एक दिवसीय यात्रा कई लुभावनी और स्फूर्तिदायक गतिविधियों से सुखद रूप से आप्लावित करने वाली रही। आध्यात्मिक एकता पर होने वाले सेमिनार से पूर्व बालिकाओं को, मंदिर में सुंदर श्री-विग्रहों की कुछ प्रत्यक्ष सेवा करने का सुअवसर प्राप्त हुआ। सेमिनार में चार तत्वों को शामिल किया गया - सहयोग, समन्वय, प्रेम और देखभाल। उल्लेख करने की आवश्यकता नहीं है, कि गोविंदा'स का सुस्वादित भोज प्रसादम दिन की यात्रा का मुख्य आकर्षण था।



✿ पानीहाट चीड़ा-दही महोत्सव (2 जून) (इस्कॉन, ईस्ट ऑफ कैलाश)

भगवान की लीलाएँ भक्ति के महत्वपूर्ण सिद्धांतों का निर्देश देती हैं। विभिन्न भक्तों के व्यवहार एवं आचरण से हमें जीवन जीने का दर्शन प्राप्त

Raghunatha Dasa Goswami attained the mercy of Adi Guru Nityananda Prabhu when he was 'punished' to distribute cida dahi amongst the Vaishnava community. This festival was celebrated with much fervor on June 4, Sunday in the Food Plaza of ISKCON, East of Kailash. Stalls were put up for the distribution of cida dahi of various types. Some with mango, others with banana and dry fruits, all variants, offered to the Lord and distributed as prasadam, brought unlimited joy to those who participated in this festival.

Panihati Dhama BACE brings home Gaura-Nitai (2nd Jun) (ISKCON, Punjabi Bagh)

2nd June marked a glorious day for the Panihati Dhama BACE [a remote youth center of ISKCON Punjabi Bagh]. The BACE and its devotees welcomed the beautiful deities of Sri Sri Gaura Nitai on this day. The day kick-started with welcoming the Deities with a roaring Kirtana. This was followed by enlightening talks by several devotees – H.G. Murali Krishna Prabhu, H.G. Sundara Krishna Prabhu, H.G. Premanjana Prabhu, H.G. Paramabrahma Prabhu and H.G. Visnu Vahana Prabhu. This was followed by an abhisheka ceremony of Their Lordships Sri Sri Gaura Nitai amidst melodious Hare Krishna Kirtana and Vaishnava Bhajans. Beats of the Mridanga, rounds of Karatalas, and sounds of Harmonium and Shankha filled the surroundings. The Deities were then dressed elegantly by the Pujaris before they gave Their first Darshans while accepting Gaura Aratik in the middle of a surcharged atmosphere, with devotees singing and dancing their hearts out. The program concluded with a scrumptious multi-cuisine feast. The devotees soaking wet from sweat caused by non-stop dancing relished and honored prasadam up to the necks.



Snana Yatra (4th June) (ISKCON, East of Kailash)

Lord Jagannatha is all merciful. For those who refuse to walk up to His temple, He Himself comes out onto the streets to give His darshans and shower His mercy onto them. The festival of Snana Yatra is a much-awaited festivity of the Summer season. Along with His siblings: Baladeva and Subhadra, Lord Jagannatha is given an elaborate bath. The royal bath is witnessed by all, giving birth to bhakti and love, in their hearts. This ceremony was conducted in the Sri Sri Radha Parthasarathi Temple, East of Kailash. This was a

होता है। पनिहाट में चीड़ा-दही उत्सव, इसका सबसे अच्छा उदाहरण है। श्रील रघुनाथ दास गोस्वामी को आदि गुरु नित्यानंद प्रभु की कृपा प्राप्त हुई जब उन्हें वैष्णव समुदाय के मध्य चीड़ा-दही वितरित करने हेतु 'दंडित' किया गया। ईस्ट ऑफ कैलाश स्थित इस्कॉन के फूड प्लाजा में 4 जून, रविवार को यह त्योहार अत्यधिक उत्साह से मनाया गया। चीड़ा-दही के वितरण हेतु विभिन्न प्रकार के स्टॉल लगाये गये थे। कुछ ने आम के साथ, कुछ ने केले और सूखे मेवों के साथ, सभी प्रकार के व्यंजन, भगवान को चढ़ाए और प्रसाद के रूप में वितरित किए, यह त्योहार इसमें भाग लेने वाले लोगों के लिए असीमित खुशी लेकर आया।

पानीहाट धाम बेस में श्री श्री गौर-नितई की स्थापना (2 जून) (इस्कॉन, पंजाबी बाग)

2 जून पानीहाट धाम बेस [इस्कॉन पंजाबी बाग का एक दूरस्थ युवा केंद्र] के लिए एक गौरवशाली दिन था। बेस एवं वहाँ के भक्तों ने इस दिन श्री श्री गौर-नितई के सुंदर विग्रहों का स्वागत किया। दिन का आरंभ गुंजायमान कीर्तन के साथ विग्रहों के स्वागत से हुआ। इसके पश्चात कई भक्तों - श्रीमान मुरली कृष्ण प्रभु, श्रीमान सुंदर कृष्ण प्रभु, श्रीमान प्रेमांजन प्रभु, श्रीमान परमब्रह्म प्रभु और श्रीमान विष्णु वाहन प्रभु द्वारा ज्ञानवर्धक चर्चा हुई। इसके उपरांत मधुर हरे कृष्ण कीर्तन और वैष्णव भजनों के मध्य श्री श्री गौर-नितई का अभिषेक समारोह आयोजित किया गया। मृदंग की थाप, करतालों की ध्वनि, हारमोनियम और शंख की ध्वनि से वातावरण गूंज उठा। पुजारियों द्वारा विग्रहों को भव्य पोशाक पहनाई गई और इससे पहले कि वे भक्ति आवेशित वातावरण में गौर आरती स्वीकार करते हुए अपने प्रथम दर्शन देते, भक्त जन हृदय खोलकर नाचते और गाते दिखे। कार्यक्रम का समापन एक शानदार बहु-व्यंजन भोज के साथ हुआ। अनवरत नृत्य के कारण उत्पन्न पसीने से तर हुए भक्तों ने गले तक प्रसाद का सेवन किया और आनंद लिया।

स्नान यात्रा (4 जून) (इस्कॉन, ईस्ट ऑफ कैलाश)

भगवान जगन्नाथ सर्व कृपालु हैं। जो लोग उनके मंदिर तक चलकर नहीं जा सकते हैं, वे स्वयं उन्हें अपने दर्शन देने और उन पर अपनी कृपा बरसाने के लिए सड़कों पर आते हैं। स्नान यात्रा का त्योहार ग्रीष्म ऋतु का एक बहुप्रतीक्षित उत्सव है। अपने भाई-बहनों: बलदेव और सुभद्रा के साथ, भगवान जगन्नाथ को विस्तृत स्नान कराया जाता है। शाही स्नान को सभी लोग देखते हैं, जिससे उनके हृदयों में भक्ति और प्रेम प्रस्फुटित होता है। यह समारोह ईस्ट ऑफ कैलाश स्थित श्री श्री राधा पार्थसारथी मंदिर में आयोजित किया गया था। यह सभी आयु वर्ग के भक्तों हेतु आनंद का दिन था। जहाँ वृद्धजन सुंदर दर्शनों का आनंद लेने हेतु अनुकूल स्थान पर बैठे, वहीं बच्चों को पानी की बाल्टी लाने के लिए इधर-उधर भागते देखा जा सकता था। युवाओं को मधुर कीर्तन पर जयकारे लगाते और नृत्य करते देखा गया। भक्तों के लिए भव्य जगन्नाथ भोज प्रसादम आनंददायक था।



day of bliss for all age groups of devotees. While the elderly occupied favourable seats to bask in the beautiful darshans, the children could be seen running around to fetch buckets of water. The young were seen chanting and dancing to melodious kirtan. The sumptuous Jagannatha feast was a delight for the devotees. (ISKCON, Dwarka)

Lord Jagannath's annual ritual bath program was celebrated by hearing the significance of Snana Yatra and glories of Lord Jagannath, Pahandi (taking their Lordships around the temple), and bathing ceremony followed by feast prasadam for everyone. The program was appreciated by hundreds of devotees at the temple and thousands via online media.

(ISKCON, East Delhi)

The event began with Hare Krishna Kirtan followed by the beautiful abhishek of the deities with a variety of juices and flowers. Seeing the Lordships being drenched in the scorching summer weather soothed the hearts of the devotees witnessing the abhishek. It is also said that seeing the abhishek of the Lord is as good as doing it. After the abhishek, H.G. Vichitra Krishna Prabhu narrated the sweetest pastimes of Lord Jagannath. The crowd was awestruck upon hearing about the glorious and wonderful dealings of Sri Jagannath with His devotees. Thereafter, the kids of Hare Krishna School and the Sunday Fun School won the hearts of the audience with their sweet dance performances and a play on a pastime of Lord Jagannath and His little devotee Padmini. Lastly, everyone honored the delicious feast prasadam and caranamrita. Everyone left the premises with huge smiles on their faces and Lord Jagannath in their hearts.



(इस्कॉन, द्वारका)

भगवान जगन्नाथ का वार्षिक अनुष्ठान स्नान कार्यक्रम, स्नान यात्रा के महत्व और भगवान जगन्नाथ के पहांडी (मंदिर के चारों ओर भगवान के श्री विग्रह को लेकर यात्रा निकालना) की महिमा सुनकर मनाया गया, और स्नान समारोह के पश्चात सभी के लिए भोज प्रसादम का आयोजन किया गया। मंदिर में सैकड़ों भक्तों और ऑनलाइन मीडिया के माध्यम से हजारों लोगों ने इस कार्यक्रम की सराहना की।

(इस्कॉन, पूर्वी दिल्ली)

कार्यक्रम का आरंभ हरे कृष्ण कीर्तन के साथ हुआ, जिसके पश्चात विभिन्न प्रकार के रसों और फूलों से भगवद विग्रहों का सुंदर अभिषेक किया गया। चिलचिलाती गर्मी की ऋतु में भगवान को भीगते हुए देखकर अभिषेक देख रहे भक्तों के हृदयों को प्रसन्नता प्राप्त हुई। ऐसा भी कहा जाता है कि भगवान का अभिषेक देखना भी उतना ही फलदायी होता है जितना अभिषेक करना। अभिषेक के उपरान्त श्रीमान विचित्र कृष्ण प्रभु ने भगवान जगन्नाथ की मधुर लीलाओं का वर्णन किया। अपने भक्तों के साथ श्री जगन्नाथ की महिमा और अद्भुत व्यवहार के विषय में सुनकर भीड़ आश्चर्यचकित हो गई। तदोपरांत, हरे कृष्ण स्कूल एवं संडे फन स्कूल के बच्चों ने अपने मधुर नृत्य प्रदर्शन और भगवान जगन्नाथ एवं उनकी छोटी भक्त पद्मिनी की लीला पर आधारित एक नाटक से दर्शकों का हृदय जीत लिया। अंत में, सभी ने चरणामृत एवं स्वादिष्ट भोज प्रसादम ग्रहण किया। सभी अपने मुख मण्डल पर प्रसन्नता लिए तथा हृदय में भगवान जगन्नाथ को धारण किए परिसर से बाहर गए।



✿ श्रील प्रभुपाद की पुस्तकें यमुनानगर पहुँचीं (जून का प्रथम सप्ताह) (इस्कॉन, पंजाबी बाग)

जम्मू में अपने सफल कार्यकाल के पश्चात, इस्कॉन पंजाबी बाग के पुस्तक वितरण दल ने जनता के मध्य श्रील प्रभुपाद की पुस्तकों को वितरित करने हेतु यमुनानगर की ओर प्रस्थान किया। 10 दिनों की अवधि में, टीम ने लगभग 3000 पुस्तकें वितरित कीं, जिनमें श्रीमद्भागवतम के



✿ Srila Prabhupada's books reach Yamuna Nagar (1st week of Jun) (ISKCON, Punjabi Bagh)

After their successful stint in Jammu, the book distribution

team of ISKCON Punjabi Bagh headed out to Yamuna Nagar to distribute Srila Prabhupada's books among the masses. In a span of 10 days, the team distributed close to 3000 books, including 8 sets of the Srimad Bhagavatam and 2 sets of Sri Chaitanya Charitamrita. During the sojourn, the team also got the chance to visit the Adi-Badri dhama where they spent hours chanting and singing the holy names with the public and pilgrims.

✿ Annual Congregation Retreat (8th -11th Jun) (ISKCON, Punjabi Bagh)

The annual congregation trip of ISKCON Punjabi Bagh is the most awaited spiritual retreat of the year. Preparation and excitement begin weeks before the scheduled departure. This year, a large group of over 400 congregation devotees came together for the retreat in Haridwar & Rishikesh. The devotees were enthralled to have the company and association of many stalwart devotees like H.G. Rukmini Krishna Prabhu, H.G. Murli Krishna Prabhu, H.G. Vishnu Vahan Prabhu, and H.G. Sundar Krishna Prabhu. The yatra entailed all tastes of spiritual engagement - visits to several places of pastimes, baths at the devotionally popular Hari ki Pauri, visit to the Ram Jhula, Kankhal, and Shukratal, invigorating and inspiring talks by H.G. Rukmini Krishna Prabhu and H.G. Murli Krishna Prabhu, soul-stirring dramas on Ajamila & Ganga appearance by the 'Krishna Balaram Players' theatre team. The devotees also attended the mystical Ganga aarti at Hari ki Pauri in the midst of powerful and enchanting prayers by the priests. Ecstatic sankritana, enthusiastic book distribution, and sumptuous prasadam were the lifelines of this unforgettable retreat. Devotees are already looking forward to the congregation retreat of 2024.

✿ Cultural and Character Development Seminar (9th Jun) (ISKCON, Dwarka)

A very special seminar titled "Cultural and character development of Kids" was organized for Grihastha devotees and devotees who are desirous to have Krishna conscious environment around their children. The speaker for the program was H.G. Aruddha Mataji, a world-renowned parenting guide in Krishna consciousness. Mataji was kind enough to give valuable lessons to all Dwarka devotees in a short span of time. Parents learned how to assimilate spirituality into their children's life in parallel to developing a strong academic foundation for their future. Many devotees got inspired by Mataji and by her beautiful lessons regarding parenting.

✿ Kids' Summer Camp (12th -20th Jun) (ISKCON, East Delhi)

Like every year, the Hare Krishna Center welcomed kids from all around in its 6-day summer camp called the "Natkhath Mela". It is a camp where the kids are engaged in creative activities and taught dances, art and craft, yoga, and much more along with the basic teachings of Krishna Consciousness. The purpose is to imbibe the values of Krishna Consciousness in the young minds of the children so that the impressions remain with them throughout their life. Activities like mantra meditation, magic show, pottery, little Krishna movie, games, quizzes, zumba exercises, and taekwondo were also organized. H.G. Shyama Kripa Mataji

8 सेट और श्री चैतन्य चरितामृत के 2 सेट शामिल थे। प्रवास के दौरान, टीम को आदि-बद्री धाम की यात्रा करने का भी अवसर मिला, जहाँ उन्होंने जनता और तीर्थयात्रियों के साथ पवित्र नामों का जाप और गायन करते हुए घंटों बिताए।

✿ वार्षिक ग्रहस्थ भक्त मण्डल रिट्रीट (8-11 जून) (इस्कॉन, पंजाबी बाग)

इस्कॉन पंजाबी बाग की वार्षिक ग्रहस्थ भक्त मण्डल यात्रा वर्ष का सबसे प्रतीक्षित आध्यात्मिक यात्रा है। निर्धारित प्रस्थान से कई सप्ताह पूर्व उपक्रम और उत्साह आरंभ हो जाता है। इस वर्ष, 400 से अधिक ग्रहस्थ भक्त मण्डली के भक्तों का एक बड़ा समूह हरिद्वार और ऋषिकेश में एकांतवास हेतु एक साथ आए। भक्त श्रीमान रुक्मिणी कृष्ण प्रभु, श्रीमान मुरली कृष्ण प्रभु, श्रीमान विष्णु वाहन प्रभु, और श्रीमान सुंदर कृष्ण प्रभु जैसे कई दिग्गज भक्तों की मंडली और संगति पाकर मंत्रमुग्ध हो गए। यात्रा में आध्यात्मिक जुड़ाव के सभी स्वाद शामिल थे - कई लीला स्थलियों की यात्रा, आध्यात्मिक रूप से लोकप्रिय हरि की पौड़ी में स्नान, राम झूला, कनखल और शुकताल की यात्रा, श्रीमान रुक्मिणी कृष्ण प्रभु एवं श्रीमान मुरली कृष्ण प्रभु द्वारा स्फूर्तिदायक और प्रेरणादायक प्रवचन, 'कृष्ण बलराम प्लेयर्स' थिएटर टीम द्वारा अजामिल और गंगा स्वरूप पर भावपूर्ण नाटक। पुजारियों की प्रबल एवं मंत्रमुग्ध प्रार्थनाओं के मध्य भक्तों ने हरि की पौड़ी पर जादुई गंगा आरती में भी भाग लिया। परमानंद दायक संकीर्तन, उत्साही पुस्तक वितरण और शानदार प्रसादम इस अविस्मरणीय रिट्रीट की जीवन दायिनी विशेषताएँ थीं। भक्तगण पहले से ही 2024 के भक्त मण्डली रिट्रीट का इंतजार कर रहे हैं।



✿ चरित्र एवं सांस्कृतिक विकास संगोष्ठी (9 जून) (इस्कॉन, द्वारका)

"बच्चों का चरित्रिक एवं सांस्कृतिक विकास" नामक एक अति विशिष्ट संगोष्ठी का आयोजन, गृहस्थ भक्तों तथा अपने बच्चों के चहुँ ओर कृष्ण भावनामय वातावरण बनाने के इच्छुक भक्तों हेतु किया गया था। कार्यक्रम की वक्ता श्रीमती अरुधा माताजी थीं, जो कृष्ण भावनामृत में विश्व-प्रसिद्ध पेरेंटिंग मार्गदर्शक हैं। माताजी इतनी दयालु हैं कि उन्होंने थोड़े ही समय में द्वारका के सभी भक्तों को बहुमूल्य शिक्षाएँ प्रदान कर दीं। माता-पिता ने सीखा कि अपने बच्चों के भविष्य हेतु एक सशक्त शैक्षणिक नींव विकसित करने के साथ-साथ उनके जीवन में आध्यात्मिकता को कैसे आत्मसात किया जाए। कई भक्त माताजी से एवं पालन-पोषण के संबंध में उनकी सुंदर शिक्षाओं से बहुत प्रेरित हुए।

✿ बच्चों का ग्रीष्मकालीन शिविर (12 से 20 जून) (इस्कॉन, पूर्वी दिल्ली)

प्रतिवर्ष की भाँति, हरे कृष्ण केंद्र ने "नटखट मेला" नामक अपने

also addressed the children and taught them the benefits of chanting the Hare Krishna Maha-mantra. The kids not only learned how to chant mantras and their importance but also engaged their minds in fun and creative tasks and in building cultural values and skills. All in all, it was a fun and lively experience for the kids as they learned while playing.



✿ Haridwar Yatra (16th -18th Jun) (ISKCON, Rohini)

A summer camp was organized in the form of the 'Haridwar Yatra'. From resident monks to congregational devotees, everyone was part of this long-awaited trip in the divine association of H.H/ Bhakti Ashraya Vaishnava Swami Maharaja. The Festival cum Yatra Committee of the temple had been making preparations for the same since Gaura Purnima, 2023 when Maharaja had personally visited the temple & had announced the trip. Around 200 devotees participated including children of all age groups. The camp was a huge success with Hari Katha by Maharaja, harinama at Har ki Pauri, Cultural programs at the venue & holy dips in the river Ganges.

✿ Disappearance Day of Srila Bhaktivinoda Thakura (18th June) (ISKCON, East of Kailash)

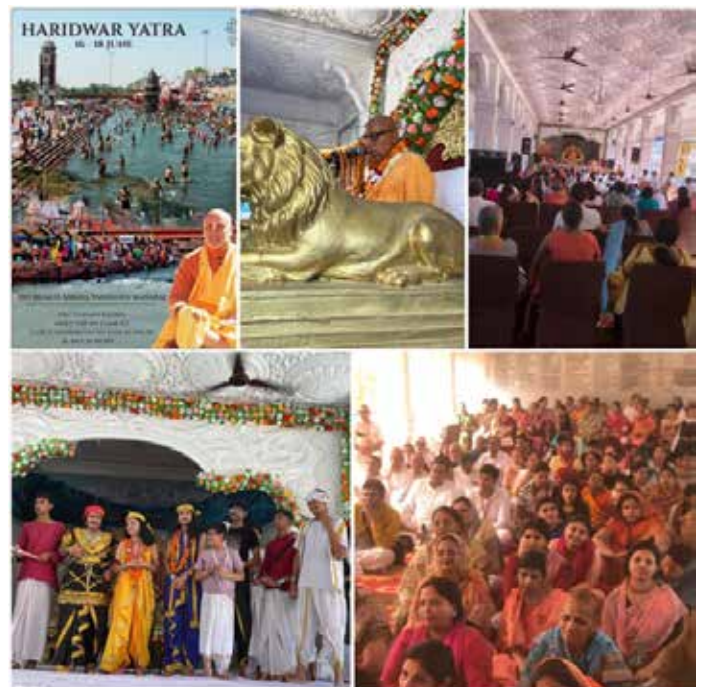
Srila Bhaktivinoda Thakura's disappearance day was celebrated with pushpanjali and kirtan. Devotees reminisced about the revered acharya for his exemplary grihastha life, seeped in service and devotion. He was a materially successful official, who provided shiksha in effortlessly living the philosophy. His books, and his attempts to discover the birthplace of Sri Chaitanya Mahaprabhu, were the first few endeavors leading to the resurrection of the Vaishnava tradition, in the Modern age. Popularly known as the 'seventh Goswami', Srila Bhaktivinoda Thakura, not only lay the foundation of Krishna consciousness but also left jewels



6-दिवसीय ग्रीष्मकालीन शिविर में चहुं ओर से आए बच्चों का स्वागत किया। यह एक शिविर है जहाँ बच्चे रचनात्मक गतिविधियों में लगते हैं और कृष्ण भावनामृत की आधारभूत शिक्षाओं के साथ-साथ यहाँ नृत्य, कला, शिल्प, और योग से अलग और भी बहुत कुछ सिखाया गया। इसका उद्देश्य बच्चों के युवा मन में कृष्ण भावनामृत के मूल्यों को स्थापित करना है जिससे कि जीवन भर उनके साथ ये प्रभाव बने रहें। मंत्र ध्यान, जादू-शो, मिट्टी के बर्तन, लिटिल-कृष्ण फिल्म, खेल, क्विज़, जुम्बा व्यायाम और ताइक्वांडो जैसी अनेक अन्य गतिविधियाँ भी आयोजित की गईं। श्रीमति श्याम कृपा माताजी ने भी बच्चों को संबोधित किया एवं उन्हें हरे कृष्ण महा-मंत्र का जप करने के लाभ बताए। बच्चों ने भी न केवल मंत्रों का जप करना एवं उनका महत्व सीखा, अपितु अपने मन को मनोरंजक और रचनात्मक कार्यों तथा सांस्कृतिक मूल्यों और कौशल के निर्माण में भी लगाया। कुल मिलाकर, यह बच्चों के लिए एक आनंद दायक एवं जीवंत अनुभव था क्योंकि उन्होंने यह खेलते खेलते ही सीख लिया था।

✿ हरिद्वार यात्रा (16-18 जून) (इस्कॉन, रोहिणी)

'हरिद्वार यात्रा' के रूप में एक ग्रीष्मकालीन शिविर का आयोजन किया गया। निवासी ब्रह्मचारियों से लेकर ग्रहस्थ मंडली के भक्तों तक, हर कोई परम पूज्य भक्ति आश्रय वैष्णव स्वामी महाराज के दिव्य सानिध्य में इस दीर्घकाल से प्रतीक्षित यात्रा का हिस्सा बना। मंदिर की महोत्सव एवं यात्रा समिति गौर पूर्णिमा, 2023 से ही इसकी तैयारी कर रही थी, जब महाराज ने व्यक्तिगत रूप से मंदिर का दौरा किया था और यात्रा की घोषणा की थी। सभी आयु वर्ग के बच्चों सहित इसमें लगभग 200 भक्तों ने भाग लिया। महाराज द्वारा हरि-कथा, हर की पौड़ी पर हरिनाम, आयोजन स्थल पर सांस्कृतिक कार्यक्रम और गंगा मैया में पवित्र स्नान के साथ ही यात्रा शिविर एक बृहद सफल आयोजन रहा।



✿ श्रील भक्तिविनोद ठाकुर का तिरोभाव दिवस (18 जून) (इस्कॉन, ईस्ट ऑफ कैलाश)

श्रील भक्तिविनोद ठाकुर का तिरोभाव दिवस पुष्पांजलि एवं कीर्तन के साथ मनाया गया। भक्तों ने श्रद्धेय आचार्य का, उनके अनुकरणीय गृहस्थ जीवन, सेवा एवं भक्ति में आप्लावित जीवन हेतु स्मरण किया। वह भौतिक रूप से एक सफल अधिकारी थे, जिन्होंने दर्शन को सहजता

for us to cherish, follow and take guidance from. Whether it is his teachings or his bhajans, all instructions in devotional service, can be used to perfect one's human birth.

✿ **Mango Festival (18th June)** (ISKCON, East of Kailash)

The mango festival is a popular one in Vraja. The Lord is the proprietor of all and so devotees offer mango, the king of fruits, to Him, with love and devotion. ISKCON, Delhi, organized a grand Mango Festival, on Sunday, 18th June. Eleven thousand kgs of Mangoes, of all varieties and sizes, were offered to Sri Sri Radha Parthasarathi, Sri Sri Gaura Nitai, Sri Sri Lakshmi Narasimha and Sri Sri Sita Rama Lakshmana Hanuman. The bhoga offering made amidst roaring kirtan and jubilant, dancing devotees, was a sight to behold. The visitors were struck by the divine vibrations of this offering of love. The entire temple smelled of delectable mangoes. Their Lordships were dressed on the lines of Vraja tradition. Special traditional songs were sung for the pleasure of the deities.



✿ **Father's Day celebration (19th Jun)** (ISKCON, Dwarka)

This celebration gave an opportunity to the young generation to celebrate the beautiful bond with their father and honor them in a timeless way which is getting diminished in the current age. The whole aim was to develop a sense of gratitude for this beautiful relationship. Devotees prayed to the Lordships for the advancement of their fathers in Krishna consciousness. Many people donated a timeless gift in the name of their fathers by contributing to the temple construction service.

से जीते हुए शिक्षा प्रदान की। उनकी किताबें, और श्री चैतन्य महाप्रभु के जन्मस्थान की खोज करने के उनके प्रयास, आधुनिक युग में वैष्णव परंपरा के पुनरुत्थान की ओर ले जाने वाले प्रथमतः कुछ प्रयास थे। 'सप्तम गोस्वामी' के नाम से लोकप्रिय, श्रील भक्तिविनोद ठाकुर ने न केवल कृष्ण भावनामृत की नींव रखी, बल्कि हमारे लिए संजोने, अनुसरण करने और मार्गदर्शन प्राप्त हेतु रत्न भी छोड़े। चाहे वह उनकी शिक्षाएँ हों अथवा उनके भजन, भक्ति में सभी दिशा निर्देश, किसी के भी मानव जन्म को पूर्ण बनाने हेतु उपयोग किए जा सकते हैं।

✿ **आम्र महोत्सव (18 जून)** (इस्कॉन, ईस्ट ऑफ कैलाश)

व्रज में आम्रोत्सव एक लोकप्रिय उत्सव है। भगवान सभी के स्वामी हैं अतः भक्तगण प्रेम और भक्ति से उन्हें फलों का राजा आम अर्पण करते हैं। इस्कॉन, दिल्ली ने रविवार, 18 जून को एक भव्य आम्रोत्सव का आयोजन किया। विविध भाँति एवं सभी आकार-प्रकार के ग्यारह हजार किलो आम, श्री श्री राधा पार्थसारथी, श्री श्री गौर-नितई, श्री श्री लक्ष्मी नरसिंहदेव एवं श्री श्री सीता राम लक्ष्मण हनुमान जी को अर्पित किये गए। गगनभेदी कीर्तन एवं उल्लसित होकर नाचते भक्तों के मध्य भगवान् को अर्पित किया गया भोग दर्शनीय था। श्रद्धालुगण प्रेम की इस भेंट के दिव्य स्पंदनों से अभिभूत हो गए। सम्पूर्ण मंदिर प्रांगण मनभावन आमों की सुगंध से महक रहा था। परम भगवान् को व्रज परंपरा की भाँती सुसज्जित किया गया था। विग्रहों की प्रसन्नता हेतु विशेष पारंपरिक गीत गाए गए।



✿ **पितृ दिवस उत्सव (19 जून)** (इस्कॉन, द्वारका)

इस त्योहार ने युवा पीढ़ी को अपने पिता के साथ सुंदर संबंध का उत्सव मनाने एवं उन्हें कालातीत विधि से सम्मान देने का सुअवसर प्रदान किया जो वर्तमान युग में घटता ही जा रहा है। इसका संपूर्ण उद्देश्य इस सुंदर संबंध हेतु कृतज्ञता की भावना विकसित करना था। भक्तों ने अपने पिता की कृष्ण भावनामृत में उन्नति हेतु भगवान से प्रार्थना की। कई लोगों ने अपने पिता के नाम पर मंदिर निर्माण सेवा में योगदान देकर एक अनमोल उपहार दिया।

✿ **गुंडिचा मार्जन (19 जून)**

गुंडिचा मार्जन का त्योहार, मंदिर में सबसे अधिक उत्सुकता से मनाए जाने वाले उत्सवों में से एक है। एक भक्त के लिए पूर्ण मनोरंजन तथा महत्वपूर्ण निर्देशों से भरा हुआ दिन। श्री श्री राधा पार्थसारथी मंदिर में, भक्तों ने विशाल परिसर के प्रत्येक कोने को साफ किया। इस सेवा में हर आयु वर्ग के भक्त एवं श्रद्धालुगण लगे हुए थे। बुजुर्गों को सहयोग करते हुए देखा जा सकता था, जबकि युवा वर्ग प्रत्येक स्थान पर धोकर, बड़े-बड़े पौछों से रगड़कर, चूँ चूँ की आवाज़ के साथ सफाई करके उसे स्वच्छ

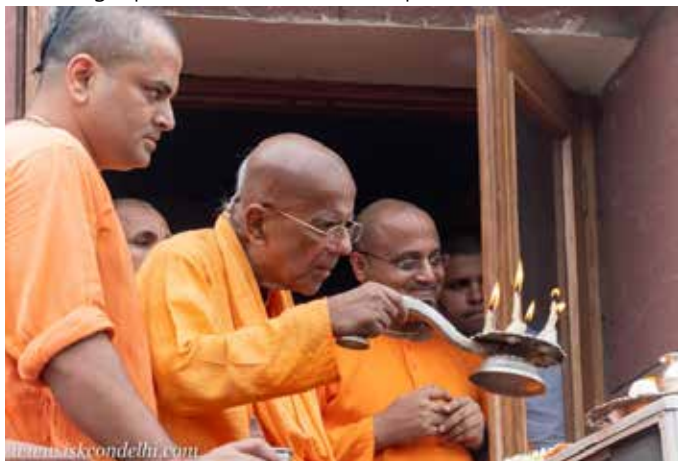
✿ Gundica Marjana (19th June)

The festival of Gundica Marjan is one of the most looked forward to celebrations at the temple. A day filled with complete fun yet brimming with significant instructions, for a devotee. At Sri Sri Radha Parthasarathi Temple, devotees cleansed each and every corner of the huge campus. Devotees of all age groups engaged in this service. The elderly could be seen co-ordinating while the young ones were all over the place, scrubbing, washing with huge squashes and making everything squeaky. The children used this opportunity to fill water for the use of cleaning. They drenched themselves in not only water but also devotional zeal. The loud chanting and mellifluous kirtan, added to the divine atmosphere. This festival coincides with a similar one held at Puri.



✿ Ratha Yatra (20th June)

Ratha yatra is a festival known to not only Indians but almost all parts of the world. Thanks to Srila Prabhupada, The Jagannatha Ratha Yatra has become a household name in a huge part of the world. People associate the Ratha



बना रहे थे। बच्चों ने इस अवसर का उपयोग सफ़ाई के लिए पानी भरने में किया। उन्होंने स्वयं को न केवल पानी में बल्कि भक्ति के उत्साह में भी सराबोर कर लिया। उच्च स्वर में मंत्रोच्चार और मधुर कीर्तन ने वातावरण को दिव्य बना दिया था। यह त्यौहार पुरी में आयोजित ठीक ऐसे ही एक त्यौहार के साथ मेल खाता है।

✿ रथ यात्रा (20 जून)

रथयात्रा एक ऐसा त्यौहार है जो न केवल भारतीयों में अपितु संसार के लगभग सभी हिस्सों में जाना जाता है। श्रील प्रभुपाद को धन्यवाद, जगन्नाथ रथ यात्रा संसार के एक बड़े भाग में एक घरेलू नाम बन गया है। लोग रथयात्रा को, नाचते भक्तगण, प्रसाद वितरण और विशुद्ध आनंद से जोड़ते हैं। यह त्यौहार इस्कॉन दिल्ली में हर बार की तरह उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया। भक्तगण अपने भगवान को एक रथ पर ले गए। मंदिर में जगह-जगह आरती और भोग लगाकर रथ का स्वागत किया गया। भक्तगण भगवान की रथयात्रा के साथ चल रहे थे और नृत्य कर रहे थे और लगातार मंत्रोच्चार करते हुए गंधर्वों के जैसे प्रतीत हो रहे थे। जिन लोगों ने इसे पहली बार देखा, उन्हें लगा मानो वैकुण्ठ ही पृथ्वी पर उतर आया है।



Yatra with dancing devotees, prasadam distribution, and pure bliss. This festival was celebrated at ISKCON Delhi, with the usual zeal and fervor. Devotees took Their Lordships, on a cart. The cart was welcomed at various points of the temple, with arti and bhoga. Devotees chanted and danced incessantly, appearing to be like Gandharvas accompanying the procession of the Lord. Those who saw this for the first time claimed they felt Vaikuntha had descended on Earth.



✿ ISKCON, East of Kailash, visited by priests from Udupi

ISKCON is known all across the globe, as the representative of Vedic culture. It has friends in the country as well as outside. Recently, two priests from Udupi visited Sri Sri Radha Parthasarathi Temple. H.H. Sugunendra Tirtha Swami Maharaja and H.H. Sushreendra Swami Maharaja from Sri Puthige Matha, Udupi arrived in Delhi, to be warmly received by H.H. Gopal Krishna Goswami Maharaja, H.G. Mohan Rupa Prabhu and other senior members.



✿ इस्कॉन, ईस्ट ऑफ कैलाश, में उडुपी के पुजारी एवं सन्यासियों द्वारा दर्शन

इस्कॉन को संसार भर में वैदिक संस्कृति के प्रतिनिधि के रूप में जाना जाता है। देश के साथ-साथ विदेश में भी इसके चाहने वाले हैं। हाल ही में, उडुपी के दो पुजारी सन्यासियों ने श्री श्री राधा पार्थसारथी मंदिर में दर्शन किए। श्री पुथिगे मठ, उडुपी से परम पूज्य सुगुणेन्द्र तीर्थ स्वामी महाराज एवं परम पूज्य सुश्रीन्द्र स्वामी महाराज दिल्ली पहुँचे, जहाँ श्रीमान मोहन रूप प्रभु एवं अन्य वरिष्ठ भक्तों ने उनका हार्दिक स्वागत किया।



✿ Lord Jagannatha Swami's Anand Bazaar (25th June) (ISKCON, East of Kailash)

As the world reveled in the glory of the Lord of the Universe, ISKCON Delhi, Namahatta department added another dimension to the festival of the Annual Jagannatha Ratha Yatra. On the 25th of June, Sunday, an elaborate Anand Bazaar was organized. Around 1200 plates of Jagannatha prasadam were distributed. Around 50 volunteers participated in this under the guidance of H.G. Balabhadra Prabhu. Almost 25 thousand visitors took part in this festival. The temple was teeming with people who partook in the nourishing prasadam. Jagannatha prasadam is transcendental for its ability to increase our spiritual strength.



✿ भगवान जगन्नाथ स्वामी का आनंद बाजार (25 जून) (इस्कॉन, ईस्ट ऑफ कैलाश)

जैसे ही संसार भगवान् जगन्नाथ की महिमा में आनंदित हुआ, इस्कॉन दिल्ली, नामहट्टा विभाग ने जगन्नाथ रथ यात्रा के वार्षिक उत्सव में एक और आयाम जोड़ा। 25 जून, रविवार को एक विस्तृत आनंद बाजार का आयोजन किया गया। लगभग 1200 प्लेटें जगन्नाथ प्रसाद की वितरित की गईं। श्रीमान बलभद्र प्रभुजी के नेतृत्व में लगभग 50 स्वयंसेवकों ने इसमें भाग लिया। इस उत्सव में लगभग 25 हजार दर्शकों ने भाग लिया। मंदिर पौष्टिक प्रसाद ग्रहण करने वालों से खचाखच भरा हुआ था। हमारी आध्यात्मिक शक्ति में वर्धन करने की अद्भुत क्षमता के कारण जगन्नाथ प्रसाद अलौकिक है।





Upcoming events:



आगामी कार्यक्रम

✿ Disappearance day of Srila Sanatana Goswami (3rd July)

Srila Sanatana Goswami is one of the six Goswamis of Vrindavana, instructed in devotional life by Mahaprabhu Himself. The disappearance day of Srila Sanatana Goswami will be celebrated with pushpanjali, kirtan and feast.



✿ First month of Chaturmasya begins (4th July)

The first month of Chaturmasya will begin on 4th July. Devotees will abstain from using green leafy vegetables.

✿ Disappearance day of Srila Gopala Bhatta Goswami (7th July)

The disappearance day of Srila Gopala Bhatta Goswami will be celebrated with pushpanjali, kirtan and prasadam. Srila Gopala Bhatta Goswami dedicated his life to the mission of Chaitanya Mahaprabhu after serving him as a boy during the Chaturmasya that He spent in South India.

✿ Purushottama month begins (18th July)

The holy month of Purushottama is an opportunity to immerse oneself in devotional practices. The Lord is the presiding deity of this month, and the devotees seek his favour, by attempting to please Him. Their service to Him is the most potent source of His mercy. This month will be celebrated with many spiritual vows. Devotees will hear more, read more and serve the Lord in multifarious ways. Devotees will make short trips to the holy land of Vrindavana, in order to make the most of this transcendental sale period.

✿ श्रील सनातन गोस्वामी का तिरोभाव दिवस (3 जुलाई)

श्रील सनातन गोस्वामी वृन्दावन के छह गोस्वामियों में से एक हैं, जिन्हें स्वयं महाप्रभु ने भक्ति का निर्देश दिया था। श्रील सनातन गोस्वामी का तिरोभाव दिवस पुष्पांजलि, कीर्तन और भोज प्रसादम के साथ मनाया जाएगा।

✿ चातुर्मास्य का प्रथम मास प्रारंभ (4 जुलाई)

चातुर्मास्य का पहला महीना 4 जुलाई से आरंभ होगा। भक्तगण हरी पत्तेदार सब्जियों के प्रयोग से परहेज करेंगे।

✿ श्रील गोपाल भट्ट गोस्वामी का तिरोभाव दिवस (7 जुलाई)

श्रील गोपाल भट्ट गोस्वामी का तिरोभाव दिवस पुष्पांजलि, कीर्तन और भोज प्रसादम के साथ मनाया जाएगा। श्रील गोपाल भट्ट गोस्वामी ने दक्षिण भारत में चातुर्मास्य के दौरान एक बालक के रूप में भगवान श्री चैतन्य महाप्रभु की सेवा करने के पश्चात अपना जीवन उनके आंदोलन हेतु समर्पित कर दिया था।



✿ पुरुषोत्तम मास आरंभ (18 जुलाई)

पुरुषोत्तम मास का पवित्र महीना स्वयं को भक्ति एवं आध्यात्मिक क्रिया कलापों में आप्लावित करने का एक सुअवसर है। भगवान इस महीने के अधिष्ठाता देव हैं और भक्तगण उन्हें प्रसन्न करने का प्रयास करके उनकी कृपा चाहते हैं। भगवान की सेवा ही उनकी कृपा पाने का सबसे प्रबल स्रोत है। यह महीना कई आध्यात्मिक व्रतों के साथ मनाया जाएगा। भक्तगण अधिक श्रवण करेंगे, अधिक अध्ययन करेंगे और विविध विधियों से भगवान की सेवा करेंगे। इस दिव्य हाट अवधि का अधिकतम लाभ उठाने हेतु, भक्तगण वृन्दावन की पवित्र भूमि की छोटी-छोटी यात्राएँ भी करेंगे।

PREACHING CENTRES AROUND DELHI NCR

ISKCON, EAST OF KAILASH

Chirag Delhi-168, Sejawal Chowpal, Near Subzi Mandi
Chirag Delhi, New Delhi-110017

Contact at: 9911717110, 9910381818, 9810484885

Program: Every Saturday, Evening 7 PM to 9 PM

Okhla- Chhuria Muhalla Chowpal, Tehkhand Village
Okhla, Phase – I, New Delhi-110020

Contact at: 8588991778, 9810016516, 9911613165, 9971755934

Program: Every Tuesday, Evening 7 PM to 9 PM

Kotla Mubarakpur- Shri Omkareshwar Shiv Mandir

(Panghat wala), Gurudwara Road

Opp. Sher Singh Bazar, Kotla Mubarakpur, New Delhi-110003

Contact at: 9350941626, 9818767673, 9311510999

Program: Every Saturday, Evening 7 PM to 9 PM

Khanpur- B-192-B, Jawahar Park, Devli Road

(Near Cambridge School), Khanpur, New Delhi-110062

Contact at: 9818700589, 9810203181, 9910636160

Program: Every Saturday, Evening 7 PM to 9 PM

Hari Nagar, Ashram- 217, Saini Chaupal, Ashram Or 119, VIIT Computer
Institute (Basement)

Hari Nagar, Ashram, New Delhi-110014

Contact at: 9811281521, 011-26348371

Program: Every Saturday, Evening 7 PM to 9 PM

East Vinod Nagar-E – 322, Gali No. 8, East Vinod Nagar, Delhi-110091

Contact at: 9810114041, 9958680942

Program: Every Saturday, Evening 6.30 PM to 8.30 PM

Sriniwas Puri-Sanatan Dharam Durga Mandir

1st Floor, J J Colony near to Gurudwara, Sriniwas Puri,

New Delhi-110065

Contact at: 9711120128, 9654537632

Program: Every Wednesday, Evening 7.30 PM to 9 PM

Sangam Vihar- E-6/102, Near Mahavir Vatika

Sangam Vihar, New Delhi-110080,

Contact at: 9212495394, 9810438870

Program: Every Sunday: Evening 5 PM to 8 PM

Every Morning: 5 AM to 7 AM (Mantra Meditation)

Every Evening: 7 PM to 9 PM (Aarti)

Boat Club-Rajpath Lawn near Central Secretariat Metro Station,

New Delhi -110001, Every Wednesday 1PM -2 PM

Contact : 9560291770, 9717647134

Panchsheel Enclave-ISKCON DIVE, A-1/7 Panchsheel Enclave,

New Delhi-110017

Mayur Vihar-Srivas Angan Namahatta Center, 223-A Pkt.

C ph.2 Mayur Vihar

Every Saturday 5.30 - 7.30 PM

Contact ~ 9971999506 & 9717647134

Sarojini Nagar-Bharat Sewak Samaj Nursery School, Opp. Keshav Park,

Sarojini Nagar Market, New Delhi – 110023

Every Monday 6 PM to 8 PM

Contact : 9899694898, 9311694898

Lodi Road-Pocket – 2 Park, Lodhi Road Complex, New Delhi – 110003

Every Saturday 5 PM to 7 PM

Contact : 9868236689, 8910894795

R.K.Puram-DMS Park (Opp. House No. 238), Sector - 7, R.K. Puram,

New Delhi –22, Every Sunday 5 PM to 7 PM

Contact: 9899179915, 860485243, 8447151399

Gole Market-Model Park, Sector – 4, DIZ Area, Gole Market,

New Delhi – 110001

Every Saturday 5 PM to 7 PM

Contact: 9560291770, 9717635883

Sant Kanwar Ram Mandir-6.15pm. Every MONDAY at Jal Vihar Road, Lajpat

Nagar -2, New Delhi Contact- 9971397187.

East of Kailash-Katha - Amritam, 6.45 pm every Sunday, Venue- Prasadam

Hall, ISKCON Temple, Contact: 99582 40699, 70113 26781.

East of Kailash-Yashoda Angan, 6.45pm every Sunday, Venue- JCC Room,

Iskcon temple, East of Kailash, Contact:- 97110 06604

ISKCON, GURUGRAM

RADHA KRISHNA MANDIR-New Colony, Gurugram,

Every Saturday-6:30 to 8:30PM

Melodious Kirtan, Discourse on wisdom of Bhagvad Gita and Krishna Prasadam

Rail Vihar Community Center

Sec 47, Gurugram, Every Wednesday 7:00 to 9:30PM, Melodious Kirtan,

Discourse on wisdom of Bhagvad Gita and Krishna Prasadam

Katwaria Sarai - F 117, Basement, Near well No 1, Katwaria Sarai

New Delhi 110016. Contact: +91 75033 48819, Youth program - Every Friday 7.30 PM.

Family program - Every Saturday 7.30 PM

Ladosarai - F-6, Hare Krishna wali Gali, Near Panchayat Bhawan, Ladosarai, New

Delhi-110030. Contact No.: 7011003974, 9888815430, 9717600814. Youth Program:

Tuesday 07:30 PM; Congregation Program: Sunday- 5:00 PM

Mehrauli - Opposite Agarwal Dharmashala, Mehta chowk,

Ward no 8, Mehrauli , New Delhi 110030.

Contact: 9711862441, 9911399960, 9810565805.

Congregation Program: Every Saturday, 4-6 PM;

Youth Program: Every Sunday, 4-5PM

Chattarpur - Nitin Niwas H. No. 133, Chattarpur, Near Tyagi Chaupal,

Near Axis Bank ATM, South Delhi, 110074,

Contact: 9910290149

Program: Every Sunday 5.30PM To 7.30PM

Aya Nagar 1- Shiv Hansa Complex, Phase VI, G Block, Bandh Road,

Opp Max Gain Shopping Centre, Aya Nagar.

Contact: 9953891845, 8860681843, Program: Every Sunday, 6 To 8 PM

Aya Nagar 2- Opp MCD School, Near Easy Day, Main Road, Aya Nagar, Delhi.

Contact: 9899729858, 8368656274

Program: Every Sunday 4 To 6 PM

Malviya Nagar - 90/77, Basement, Behind Malviya Hospital, Malviya Nagar.

Contact No. 8097263066, Program: Every Saturday 6PM Onwards

Khirk Extension - JG-35, Near Krishna Temple, Inside Left Street, Khirk Extension.

Contact No. +91 98911 27996

Program: Every Sunday 5 PM Onwards

Kishan Garh - H.No.602, Ward No.3, Bhuiyan Chowk ,Gaushala Road

Kishangarh,Vasant Kunj. Contact No- 8447358738

Every Sunday, 3:00 PM onwards

Sangam Vihar - D-170, Gali no. 4, Hare Krishna Centre Barsana Dham,

Nearby Sona Sweets, Sangam Vihar, New Delhi-110080.

Contact number:- 8851286364, 8447042470, Every Saturday; 6:00 PM-8:00PM;

Every Friday and Sunday; 5:30-7:00AM onwards

East Of Kailash - 194 FF Amritpuri Garhi, East of Kailash, Near MCD School,

New Delhi-110065. Contact: 9811347826, 9990503548.

Youth Program:- Saturday 7:00 PM

Ber Sarai - House number -2, Near Government Dispensary, BerSarai, New Delhi,

Contact - 8882347935, 7065835531

Youth Program : Monday 7:00PM, Congregation Program : Saturday 4:00PM

Vasant Kunj - B100 (Basement), B Block, Mother Dairy, Vasant Kunj Enclave,

New Delhi-110070. Contact No.: 8860246574, 8879005088.

Every Sunday- 04:00 PM

Saket - C-109, Ground Floor, Near Mother Dairy, Paryavaran Complex, Saket,

New Delhi-110030, Contact: 8287713680, 8130505488, 9667427986

Youth Program: Saturday 07:00 PM; Congregation Program: Friday 07:00 PM

Tigri Extension - C-10 Hare Krishna Centre, Maha Shiv Shakti Mandir,

Tigri Extension, New Delhi-110080. Contact: 8851286364, 9810433117

Every Sunday, 11:00am - 1:00PM

Ghitorni - House no. 270, Balmiki choupal, Near Kali Mata Mandir, Ghitorni,

New Delhi-110030, Contact No. -9975756916, 7065835531

Youth Program- Thursday-7:00PM

Sultanpur - 2nd floor,Waliya house,near Gurudwara, Sultanpur, Delhi 110030.

Contact-9667478077. Youth program-Sunday 7:00 PM;

Congregation Program-Friday 5:00 PM

Prahlad Pur - A-132, DDA Flats, Prahladpur New Delhi 110044

Contact: 9999464382, 9650543321, Every Sunday 04:00 PM

Paharganj - 1st Floor, Radha Krishna Mandir, Near Jain Mandir, Mantola, Paharganj,

Contact No. 9818188182; 9810224106

Program: Every Saturday 7:00 To 8:00 PM

Nitya Seva

Nitya Seva-Niswartha Seva is a selfless monthly donation program for serving the Lord. It's purely voluntary, based on the desire, inclination and capability of the donor. The mode of donation could be through cash, cheque or ECS. One can choose to donate any amount as Lord Krishna sees our intent behind that donation. A formal receipt will be provided for each donation. For more details,

- Sri Sri Radha Parthasarathi Nitya Vighraha Sewa including bhoga offerings (fruits, vegetables, dry fruits, wheat flour, sugar, desi ghee, etc), deity dresses, deity jewellery and other paraphernalia, Please contact HG Janmashtami Chandra Prabhu @ 7011326781, 9999035120
- For ISKCON, East of Kailash, Please contact HG Baladeva Sakha Prabhu @ 9312069623
- For ISKCON, Punjabi Bagh, Please contact HG Premanjana Prabhu @ 9999197259.
- For ISKCON, Dwarka, Please contact HG Archit Prabhu @ 9891240059.
- For ISKCON, Gurugram, Please contact HG Narhari Prabhu @ 9034588881.
- For ISKCON, Faridabad, Please contact HG Ravi Shravan Prabhu @ 9999020059
- For ISKCON Panchsheel, Please contact HG Advaita Krishna Prabhu @ 9810630309/HG Rasraj Prabhu @ 9899922666
- For ISKCON East Delhi, Please contact @ 98115 10090



International Society for Krishna Consciousness

Founder Acharya - HDG A.C. Bhaktivedanta Swami Prabhupada

ISKCON, East of Kailash - Hare Krishna Hill, East of Kailash, New Delhi-65

Web: www.iskcondelhi.com | Live Darshan: live.iskcondelhi.com

Facebook: www.facebook.com/iskcondelhi, Contact: 011-41625804, 26235133

ISKCON, Punjabi Bagh - 41/77, Srila Prabhupada marg,
West Punjabi Bagh, Delhi-26
Contact Person: HG Premanjana Prabhu (8802212763)

ISKCON, Dwarka - Plot No.-4, Sector-13, Dwarka, New Delhi-110075
Web: iskcondwarka.org, Facebook: www.facebook.com/iskcon.dwarka/
Contact: 9891240059, 8800223226

ISKCON, Gurugram - Sudarshan Dham, Main Sohna Road,
Badshahpur, Gurugram
Contact Person: HG Narhari Prabhu : 9034588881

ISKCON, Faridabad - Sri Sri Radha Govind Mandir, Gita Bhawan,
C-Block, Ashoka Enclave-II, Sector-37, Faridabad,
Phone : 0129-4145231, Email : gopisvardas@gmail.com

ISKCON, Bahadurgarh - Nahara-Nahari Road, Line Par Bahadurgarh,
Haryana - 124507, Phone: +91-9250128799
Email: info@iskconbahadurgarh.com

ISKCON, Rohini - Plot No-3, Institutional Area, Main Road,
Sector-25, Rohini New Delhi 110085
Phone: +91-9871276969
Email: iskcon.rohini@gmail.com

ISKCON Gurugram (Badshahpur) - Sudarshan Dham,
Gurgaon-Sohna Road, Badshahpur, Gurgaon (2.5kms from Vatika
Business park), Gurugram, Haryana 122001
Phone: +91-9250128799, Email: info@iskconbahadurgarh.com

ISKCON Ghaziabad - 11, ISKCON CHOWK R,
35, Hare Krishna Marg,
Block 11, Raj Nagar, Ghaziabad, Uttar Pradesh 201002
Phone: 081309 92863, Email: iskcon.ghaziabad@pamho.net

ISKCON Chhattarpur - Village Near Shani Dham Mandir, Asola,
Fatehpur Beri, New Delhi, Delhi 110074
Phone: 099537 40668

ISKCON Gurugram - ISKCON, Plot No 0,
Near Delhi Public School,
Sector-45, Gurugram, Haryana-122003
Phone: 09313905803, 08920451444, 09810070342
Email: iskcongurugram.sec45@gmail.com

Sri Sri Radha-Vallabh Temple - 2439, Chhipiwara, Chah Rahat,
Jama Masjid Rd, Old Delhi, Delhi-110006
Phone: 098112 72600

Sri Sri Radha Govind Dev Temple - Opposite NTPC Office, A-5,
Maharaja Agrasen Marg, Block A, Sector 33, Noida, Uttar
Pradesh-201301
Phone: 095604 76959

ISKCON East Delhi - Hare Krishna Center
12/115 Geeta Colony, Delhi-110031
Phone: +91 98115 10090, Email: iskcon.del@gmail.com